General Psychology

Paper I

B.A. I

पैवलव द्वारा प्रतिपादित क्लासिकी अनुबंधन सिध्दांत का आलोचनात्मक वर्णन करें।

(Critically Describe Pavlov's Theory of Classical Conditioning)

इस सिद्धांत का प्रतिपादन प्रमुख Russian physiologist **I.P. Pavlov** द्वारा किया गया। इस सिद्धांत को क्लासिकी अनुबंधन सिध्दांत भी कहा जाता है। इस सिद्धांत के अनुसार प्राणी किसी अनुक्रिया को अनुबंधन (conditioning) द्वारा सीखता है जिसका तात्पर्य है सहचर द्वारा सीखना (learning by association)।

इस सिद्धांत के अनुसार जब किसी स्वाभाविक एवं उपयुक्त उद्दीपन को प्राणी के सामने उपस्थित किया जाता है तो वह उसके प्रति एक स्वाभिक अनुक्रिया करता है। जैसे- गर्म वास्तु को छूते ही हाँथ पीछे की ओर खींच लेना, भूखा होने पर भोजन देख कर मुंह में लार आना, आदि। इस तरह के स्वाभाविक उद्दीपन को Pavlov ने U.C.S. (unconditioned stimulus) कहा है तथा इस तरह की अनुक्रिया को U.C.R. (unconditioned response) कहा है। जब किसी तटस्थ उद्दीपन (neutral stimulus) को उस स्वाभाविक उद्दीपन के कुछ सेकण्ड्स या मिलीसेकंड पहले बार-बार उपस्थित किया जाता है तो कुछ प्रयासों के बाद ऐसा देखा जाता है कि प्राणी तटस्थ उद्दीपन तथा स्वाभाविक उद्दीपन के बीच एक सहचर स्थापित कर लेता है, जिसके परिणाम स्वरुप तटस्थ उद्दीपन को देखते ही प्राणी उसके प्रति वह स्वाभाविक अनुक्रिया करने लगता है जो पहले स्वाभाविक उद्दीपन के प्रति करता था। इस तरह के तटस्थ उद्दीपन को अनुबंधन या सहचर स्थापित होने के बाद अनुबंधित उद्दीपन (conditioned stimulus/C.S.) तथा इस तरह की अनुक्रिया को अनुबंधित अनुक्रिया (conditioned response/C.R.) कहा जाता है। इस तरह के सीखना को अनुबंधन द्वारा सीखना (learning by conditioning) कहा जाता है।

Pavlov ने इस सिद्धांत की जांच करने के लिए एक कुत्ते पर प्रयोग किया। फिर बाद में **Watson and Raynor** ने शिशु पर प्रयोग कर के Pavlov के अनुबंधन सिद्धांत का समर्थन किया। अतः इन दोनों प्रयोगों का वर्णन्न इस प्रकार है।

कुत्ते पर Pavlov द्वारा किया गया प्रयोग (Pavlov's Experiment on Dog)-

Pavlov ने एक भूखे कुत्ते पर प्रयोग किया। कुत्ते को एक कमरे में विशेष उपकरण के सहारे खड़ा कर दिया जिससे उसका शरीर हिले डुले नहीं। प्रयोग एक ध्वनि नियंत्रित कमरे में किया गया है। फलतः कुत्ते को बहार से आवाज़ नहीं सुनाई पड़ती थी। कुछ प्रयास तक कुत्ते के सामने भोजन दिया गया और भोजन देखते ही कुत्ते के मुंह में लार आने लगी। कुछ प्रयास के बाद कुत्ते के सामने भोजन उपस्थित करने के चंद सेकंड पहले एक घंटी बजाई जाने लगी। इस प्रक्रिया को कुछ प्रयासों तक दोहराने के बाद घंटी की आवाज़ सुनने पर बिना भोजन देखे ही कुत्ते के मुंह में लार आने लगा। इस तरह कुत्ते ने घंटी की आवाज़ पर लारस्राव करने की अनुक्रिया को सीख लिया जिसे अनुबंधन की संज्ञा दी गयी।

इस प्रयोग में घंटी की आवाज़ अस्वाभाविक उद्दीपन (conditioned stimulus or C.S.), भोजन एक स्वाभाविक उद्दीपन (unconditioned stimulus or U.C.S.) तथा लार का स्राव अनुबंधन के बाद एक अस्वाभाविक अनुक्रिया (conditioned response or C.R.) का उदाहरण है। भोजन के प्रति की गयी अनुक्रिया (अनुबंधन के पहले) एक स्वाभाविक अनुक्रिया (unconditioned response or U.C.R.) का उदाहरण है।

Watson and Raynor द्वारा किया गया प्रयोग (Experiment done by Watson and Raynor)-

Watson ने अपनी शिष्य **Raynor**, के साथ मिल कर Albert नामक एक बच्चे पर प्रयोग किया। प्रयोग इस प्रकार था- Albert को एक उजले चूहे के साथ खेलने दिया गया। जब वह खेल रहा था तभी जोरों की आवाज़ उत्पन्न कर दी गयी। आवाज़ से बच्चा डर गया। कुछ दिनों तक यह प्रक्रिया दोहराने के बाद यह देखा गया की बच्चा उजले चूहे को देखते ही डर कर रोने लगता था। आगे चल कर Albert में और तीव्र अनुबंधन होता पाया गया जिससे Albert न केवल उजले चूहे से बल्कि उससे मिलती-जुलती अन्य चीज़ों जैसे- उजला रोयेंदार कोट, उजला खरगोश, आदि से भी डरने लगा। इस प्रयोग में स्वाभाविक उद्दीपन ज़ोरों की आवाज़ तथा अस्वाभाविक या अनुबंधित उद्दीपन चूहा है और अनुबंधित अनुक्रिया डर है जो मात्र चूहा देख कर उत्पन्न होता है।

(…to be continued)

Dr. Hena Hussain

Asst. Professor

Department of Psychology

Oriental College, Patna City

WhatsApp No. – 9334067986

Email-drhenahussain@gmail.com